Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) **Fax,** +917732-252120
E-mail: fdptr82@gmail.com **Website:** www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve
पन्ना टाईगर रिजर्व

प्रेस नोट

पन्ना बाघ पुनर्स्थापना योजना के प्रथम चरण में हासिल की गई शतप्रतिशत प्रजनन सफलता, टी–5 की प्रथम संतान का जन्म

दिनांक 03.05.2014 को टी–5 की अनुश्रवण टीम के द्वारा मौके पर मात्र 05 दिन के 02 नन्हें बाघ शावकों को देखा गया। इस बात से यह पुष्टि हो गई कि बहुप्रतीक्षित टी–5 ने अपनी प्रथम संतान को जन्म दे दिया। टी–5 वह बाघिन है, जो अर्धजंगली है एवं टी–4 की छोटी बहन है। जब ये दोनों बाघिन 15 दिन की थी तभी इनका मां का स्वर्गवास हो गया था। सर्वविदित है कि टी–4 एवं टी–5 को कान्हा प्रबन्धन के द्वारा पाल–पोस कर बड़ा किया गया। जिनको पन्ना टाईगर रिजर्व में लाकर छोड कर जंगली बनाने का प्रयास सफल हुआ है। टी–5 पन्ना टाइगर रिजर्व में 13 नवम्बर 2011 को अपना पदार्पण किया था

तब से लगभग 02 वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद इनके द्वारा बच्चे देने की दिशा में किसी प्रकार के प्रमाण नहीं मिले। टी–5 एक ही स्थान पर लगातार 5 दिन रहने के बाद मौके पर जांच करने पहुंचे अनुश्रवण दल के एक श्रमिक श्री रमजान खान तब चकित रह गया जब मौके पर किल की जगह 02 नन्हें बाघ शावक को देखा। घबराये स्थिति में फोटो लेने की कोशिश की। फोटो अच्छी नहीं आई, परन्तु फोटो आ गई। मौके पर 02 शावक देखे गये हैं, इससे पूरे पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबन्धन में खुशी का माहौल है। इन दो शावकों को जोड कर पन्ना टाइगर रिजर्व में कुल बाघों का कुनवा 30 हो गया है, जो प्रदेश, देश व दुनिया के लिए गौरव की बात है। हाल ही में पन्ना–212 को सफलतापूर्वक संजय टाइगर रिजर्व सीधी में स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़े जाने के समय पूरे इलाके के समस्त आम एवं खास का समर्थन प्राप्त हुआ था। जन समर्थन से बाघ संरक्षण के नारा को सार्थक बनाने की दिशा में आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी सभी का समर्थन बाघ संरक्षण में प्राप्त होता रहेगा।

"जय हिन्द"

दिनांक – 05.04.2014

for क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना